अंतर्राष्ट्रीय इको-लेबल "ब्लू फ्लैग" टैग

Why in news?

- लक्षद्वीप में दो समुद्र तटों को अंतर्राष्ट्रीय इको-लेबल "ब्लू फ्लैग" टैग प्रदान किया गया हैं।
- ब्लू फ्लैग प्रमाण पत्र फाउंडेशन फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन, डेनमार्क द्वारा दिया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इको-लेबल है। “ब्लू फ्लैग सागर तट” विश्व के सबसे स्वच्छ सागर तट माने जाते हैं।

- लक्षद्वीप में मिनिकॉय थुंडी बीच और कद्दमत बीच द्वारा ब्लू बीच की प्रतिष्ठित सूची में प्रवेश किया गया है।
- इन दो समुद्र तटों में स्वच्छता बनाए रखने और तैराकों के लिए सुरक्षा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित कर्मचारी के लिए यह ठैग प्रदान किया गया हैं।
- इन नए प्रवेशकों के साथ, भारत में वर्तमान में ब्लू फ्लैग प्रमाणन के साथ 12 समुद्र तठ हैं।

- ब्लू फ्लैग सूची में भारत के जो अन्य समुद्र तट शामिल हैं उसमें - शिवराजपुर (गुजरात), घोघला (दीव), कासरकोड और पदुबिद्री (कर्नाटक), कप्पड (केरल), रूशिकोंडा (आंध्र प्रदेश), गोल्डन बीच (ओडिशा), राधानगर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), कोवलम (तमिलनाडु) और ईडन (पुडुचेरी) समुद्र तट शामिल हैं।
- पुरी में गोल्डन बीच ब्लू फ्लैग प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाला एशिया का पहला समुद्र तट था।

- ब्लू फ्लैग सर्टिफिकेशन गैर-लाभकारी फाउंडेशन फॉर एनवायरनमेंटल एजुकेशन (एफईई) द्वारा प्रदान किया गया एक इको-लेबल है।
- ब्लू फ्लैग सर्टिफिकेशन 33 कड़े पर्यावरण, शैक्षिक, सुरक्षा-संबंधी और पहुंच-संबंधी मानदंडों का पालन करने के पश्चात FEE सदस्य देशों में एक समुद्र तट, मरीना या टिकाऊ नौका विहार पर्यटन ऑपरेटरों द्वारा प्राप्त किया जाता है।

ब्लू फ्लैग कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 1985 में चार मुख्य मानदंडों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। -

- पानी की गुणवत्ता,
- पर्यावरण प्रबंधन,
- पर्यावरण शिक्षा और
- पर्यावरण सुरक्षा के माध्यम से मीठे पानी और समुद्री क्षेत्रों में सतत विकास

- वर्ष 2001 में यूरोप के बाहर के क्षेत्रों को शामिल करने के लिए ब्लू फ्लैग प्रमाणन का विस्तार किया गया था।
- ब्लू फ्लैग प्रमाणन को समुद्र तटों, मरीना और टिकाऊ नौका विहार पर्यटन के उच्च पर्यावरण और गुणवत्ता मानकों के संकेतक के रूप में जाना जाता है।

धन्यवाद